पशुधन संरक्षण

वर्ष : 1 • अंक 6 • सितम्बर-2021

ऊँट बाहुल्य क्षेत्रों में 815 शिविर आयोजित कर 27 हजार 105 ऊँटों का किया उपचार

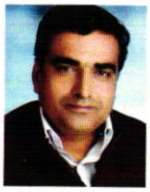

पशुपालन विभाग द्वारा ऊष्ट्र बाहुल्य क्षेत्रों में 24 जुलाई से 28 अगस्त तक प्रत्येक शनिवार को ऊँट बाहुल्य क्षेत्रों में कुल 815 ऊष्ट्र कल्याण शिविर आयोजित कर 27 हजार 105 ऊँटों का उपचार किया गया।

पशुपालन मंत्री श्री लालचन्द कटारिया ने राज्य पशु ऊँट की घटती संख्या पर चिंता जताते हुए कहा कि इस समस्या को दूर करने के लिए समूचे प्रदेश में ऊँट बाहुल्य क्षेत्रों में शिविर आयोजित कर ऊष्ट्र वंश की वृद्धि के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि ऊँट बाहुल्य क्षेत्रों में 24 जुलाई से 28 अगस्त तक प्रत्येक शनिवार को चलाये गये इस अभियान के तहत शिविरों का आयोजन किया गया है।

श्री कटारिया ने बताया कि इन शिविरों में 21 हजार 662 ऊँटों में सामान्य चिकित्सा, 4 हजार 992 ऊँटों में सर्रा बीमारी की चिकित्सा एवं 451 ऊँटों में शल्य चिकित्सा सहित कुल 27 हजार 105 ऊँटों का उपचार किया गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान गोष्ठियां आयोजित कर 6159 ऊँटपालकों को भी लाभान्वित किया गया।

शासन सचिव, पशुपालन विभाग, डा. आरूषी मलिक ने बताया कि ऊष्ट्र कल्याण शिविरों में ऊँटों की चिकित्सा एवं स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ ऊँटों में पाये जाने वाले तिबरसा (सर्रा) रोग की जांच कर आवश्यक उपचार भी किया गया है। डा. आरूषी मलिक ने बताया कि विभाग द्वारा माह मार्च 2021 में चलाये गये ऊष्ट्र कल्याण अभियान के तहत 340 शिविर आयोजित कर 21 हजार 600 से अधिक ऊँटों का उपचार भी किया गया था।

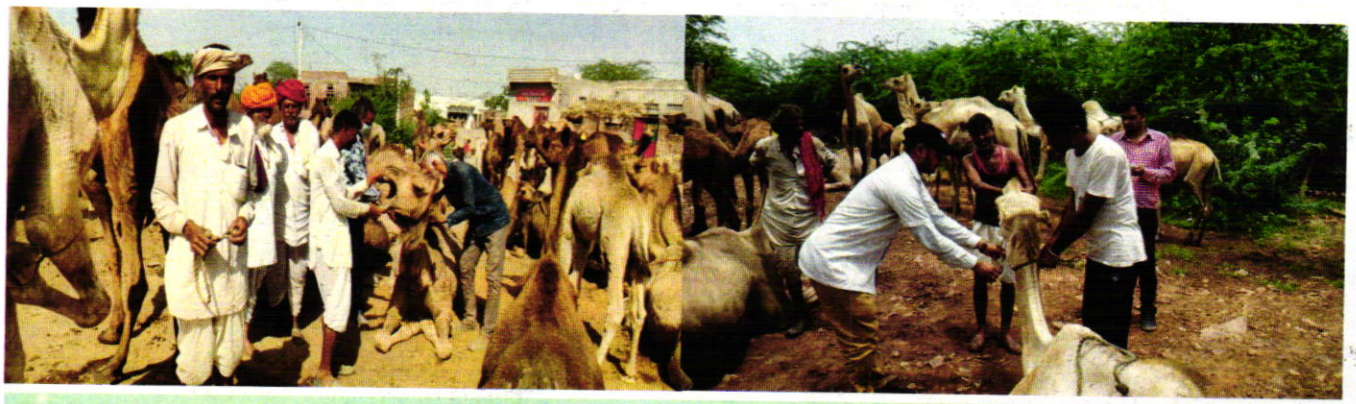

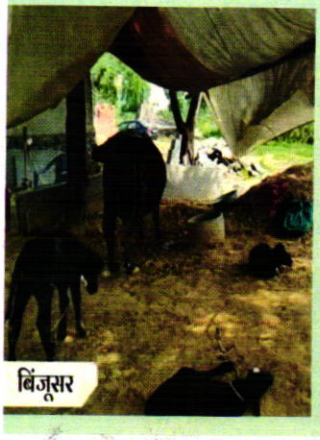

बिंजूसर

भैंस ने जन्मी एक साथ तीन पाडियां

यकीन नही होता है, लेकिन यह सच है। बकरियों एवं गायों में तो अक्सर सुना है, लेकिन यह कारनामा कर दिखाया एक भैंस ने। झुन्झुनू जिले के बिंदुसरी गांव के किसान सुरेन्द्र के यहां मुर्रा नस्ल की एक भैंस ने तीन पाडियो को जन्म दिया है। बिंदुसरी गांव में यह कौतुहल का विषय बना हुआ है यहां पड़ौसी गांवों से अनेक पशुपालक सुरेन्द्र के यहां आ रहे है। 47 वर्षीय किसान सुरेन्द्र ने बताया कि उनकी भैंस ने अपने पांचवें ब्यांत में एक-एक कर तीन पाडियों को जन्म दिया है, तीनो पाडियां एवं भैंस स्वस्थ है। उन्होंने बताया कि उनकी भैंस औसतन 12 लीटर प्रतिदिन दूध देती है।

सुरेन्द्र का कहना है कि 7 से 8 लाख रूपये की लागत से वे अपना नया मकान बना रहे है, इससे पहले वे अपनी भैंस को 80 हजार रूपये में बेचना चाह रहे थे, लेकिन मुंहमांगी कीमत नही मिलने से उनकी यह भैंस नही बिक सकी।

सुरेन्द्र बताते है कि उनकी भैंस औसतन 12 लीटर प्रतिदिन दूध देती है, इन तीनों पाडियों को दो माह तक रोजाना चार-चार लीटर दूध पिलाकर बढ़ा करेंगें, ताकि ये स्वस्थ रहे। भैंस द्वारा तीन पाडियों के जन्म को लक्ष्मी जी का वरदान बताते हुए सुरेन्द्र कहते है कि वे अब इन पाडियों का पालन पोषण कर बडी होने पर प्रत्येक को एक-एक लाख में बेचेंगें।